20 से 24 सप्ताह कर दी गई है अबॉर्शन की कानूनी तय सीमा। केंद्रीय कैबिनेट ने वर्षों से लंबति इससे संबंधित मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एक्ट-1971 में बदलाव को मंजूरी दे दी है।

न्यूज गैलरी

भारत-बांग्लादेश के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास आज से

कोलकाता : भारत और बांग्लादेश की सेना तीन फरवरी से संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगी। यह सैन्य अभ्यास दो हफ्ते तक चलेगा। एक रक्षा अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस अभ्यास को 'सम्प्रीति- नौ' नाम दिया गया है और यह मेघालय के उमरोई में 16 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास में काउंटर आतंकवाद अभियान पर अधिक जोर दिया जाएगा। यह अभ्यास भारत-बांग्लादेश रक्षा सहयोग का हिस्सा है। दोनों देशों के बीच यह नौवां सैन्य अभ्यास होगा। (जासं)

संकल्प लें युवा तो भारत विश्वगुरु बन उभरेगा : भागवत

भोपाल : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मध्य प्रदेश के गुना में आयोजित युवा शिविर के अंतिम दिन युवाओं से आह्वान किया कि वे यहां से राष्ट्र और समाज के हित में कार्य कर अपना जीवन सार्थक बनाने का संकल्प लेकर जाएं। वे व्यक्तिगत स्वार्थ त्यागकर राष्ट्र के उत्थान में सहयोगी बनें। यदि वे अपने समय का छोटा-सा हिस्सा भी राष्ट्रहित के काम में लगाने का संकल्प लें, तो भारत विश्वगुरु बनकर उभरेगा। रविवार को शिविर के समापन के बाद गुना से भागवत भोपाल रवाना हुए। वहां वह सोमवार-मंगलवार को प्रचारकों से परामर्श करेंगे और 5-6 फरवरी को संघ समन्वय समिति की बैठक में भाग लेंगे। भागवत ने युवाओं को व्यक्तित्व निर्माण के गुर बताए। सुबह प्रश्न सत्र हुआ। इसमें संघ से जुड़े प्रश्न पूछे गए। भागवत ने सहजभाव से उनके उत्तर दिए। करीब एक घंटे तक यह सत्र चला। (नईदुनिया)

आइईडी ब्लास्ट में सीएएफ का जवान घायल

दंतेवाड़ा: नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले के पोटाली इलाके में एक बार फिर नक्सलियों ने आइईडी ब्लास्ट किया है। मतदान कर्मचारियों को लाने गई रोड ओपनिंग पार्टी का एक जवान आइईडी की चपेट में आ गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मतदान दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) के 15वीं बटालियन के ए-कंपनी में तैनात आरक्षक शिवशंकर प्रसाद सोमवार को होने वाले तीसरे चरण के पंचायत चुनाव के मतदान दल को लेने अपनी टीम के साथ शुक्रवार को गए थे। जवान शिवशंकर और उनकी टीम मतदान कर्मचारियों को लेकर लौट रही थी तभी ग्राम पोटाली के पटेलपारा के पास शिवशंकर नक्सलियों के लगाए प्रेशर आइईडी की चपेट में आ गया। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट की चपेट में आने से आरक्षक गंभीर रूप से घायल हुआ। घायल जवान को एयरलिफ्ट कराकर जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। (नईदुनिया)

लखनऊ में हिंदूवादी नेता की हत्या, संदिग्ध की फुटेज बरामद

वारदात ▶ सुबह के वक्त टहलने निकले थे, मौसेरा भाई भी घायल

एक दारोगा सहित चार पुलिसकर्मी निलंबित

जागरण संवाददाता, लखनऊ

हिंदूवादी नेता रणजीत बच्चन की फाइल फोटो

हजरतगंज थाना क्षेत्र में परिवर्तन चौक के पास रणजीत बच्चन की हत्या के बाद रोती-बिलखती पत्नी कालिंदी को संभालते परिजन। जागरण

लखनऊ में हिंदूवादी नेता रणजीत बच्चन की रविवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह मौसेरे भाई आदित्य और पत्नी कालिंदी के साथ टहलने निकले थे। परिवर्तन चौराहे से थोड़ी दूर पर ग्लोब पार्क के पास बदमाश ने रणजीत और आदित्य को रोका। उसने हथियार तानकर दोनों के मोबाइल फोन लूटे, फिर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। रणजीत की मौके पर मौत हो गई, जबकि आदित्य के बाएं हाथ में गोली लगी। पुलिस कमिश्नर सुजीत कुमार पांडेय ने लापरवाही के आरोप में एक दारोगा सहित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

मूलरूप से गोरखपुर के निवासी रणजीत लखनऊ में बर्लिंग्टन चौराहा स्थित ओसीआर बिल्डिंग के बी ब्लॉक में छठे तल पर रहते थे। गोरखपुर निवासी आदित्य के मुताबिक सुबह करीब छह बजे बाइक से एक व्यक्ति शॉल ओढ़े पीछे से आया और हथियार तानकर दोनों से मोबाइल फोन मांगे। रणजीत व आदित्य ने उसे फोन दे दिया। इसके बाद हमलावर ने पहले रणजीत को फिर आदित्य को गोली मार दी। रणजीत की नाक में गोली लगी, जो सिर में फंस गई, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। ज्वॉइंट पुलिस कमिश्नर नवीन अरोड़ा के मुताबिक, बदमाश ने दोनों से मोबाइल छीने। विरोध करने पर उसने गोली मार दी।

आठ टीमें गठित, संदिग्ध कैमरे में कैद : वारदात के पर्दाफाश के लिए आठ टीमें गठित की गई हैं। पुलिस को हमलावर की सीसी फुटेज मिल गई है। माना जा रहा है कि बदमाश के पीछे कुछ और लोग भी थे।

गौरतलब है कि रणजीत ने विश्व हिंदू महासभा का गठन किया था और वह उसके अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष थे। वह पहले समाजवादी पार्टी से जुड़े थे और भारत से भूटान तक की साइकिल यात्रा दल के नायक थे। रणजीत का नाम लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। गोरखपुर में एनजीओ चलाते थे और रंगमंच से भी जुड़े थे। उन्होंने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी स्मृति और दूसरी कालिंदी हैं। रणजीत का स्मृति से विवाद भी चल रहा था। दो दिन पहले वह स्मृति से मिलने गोरखपुर गए थे। कालिंदी की बहन ने 2017 में रणजीत पर छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था।

उत्तर प्रदेश में ग्लैंडर्स का बढ़ रहा खतरा

वैभव शर्मा, हिसार: पशुओं में ग्लैंडर्स का खतरा बरकरार है। खास तौर से घोड़ों को होने वाली इस बीमारी का शिकार उत्तर प्रदेश के पशु अधिक हो रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते वर्ष 2019 में हिसार स्थित राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र (एनआरसीई) के पास देशभर से कुल 34 हजार से अधिक जानवरों के खून के सैंपल ग्लैंडर्स बीमारी की जांच के लिए आए थे, इसमें से 210 सैंपल पॉजिटिव मिले। इनमें सबसे अधिक 135 पॉजिटिव सैंपल उत्तर प्रदेश के थे। गनीमत रही कि इन जानवरों के साथ रहने वाले 219 लोगों के सैंपल निगेटिव आए।

ग्लैंडर्स घोड़ों की प्रजातियों में एक जानलेवा संक्रामक रोग है। इसमें घोड़े की नाक से खून बहना, सांस लेने में तकलीफ, शरीर का सूख जाना, पूरे शरीर पर फोड़े या गांठें आदि लक्षण हैं। यह बीमारी दूसरे पालतू पशु में भी पहुंच सकती है। यह बीमारी होने पर घोड़े को वैज्ञानिक तरीके से मारना ही पड़ता है। घोड़ों से मनुष्यों में यह बीमारी आसानी से पहुंच जाती है। जिससे मनुष्यों में इस बीमारी से मांस पेशियों में दर्द, छाती में दर्द, मांसपेशियों की अकड़न, सिरदर्द और नाक से पानी निकलने लगता है।

जनवरी के 20 दिनों में सबसे अधिक उप्र और महाराष्ट्र में मिले मामले : बता दें कि इस साल जनवरी में ही उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के आठ घोड़े ग्लैंडर्स संक्रमित मिले हैं। महाराष्ट्र के हिंगुली जिले, बुलदाना जिले में पांच, हिसार में पांच घोड़ियों में ग्लैंडर्स से संक्रमित पाए गए।

बस से डेढ़ क्विंटल विस्फोटक बरामद, ड्राइवर हुआ फरार

जागरण संवाददाता, बरेली

▶ दो बोरों में अलग-अलग तरह के थे विस्फोटक, परिचालक से पूछताछ जारी

रोडवेज वर्कशॉप में खड़ी पीलीभीत डिपो की इसी बस से बरामद हुईं विस्फोटक से भरी बोरियां। जागरण

उप्र के फर्रुखाबाद से करीब डेढ़ क्विंटल विस्फोटक रोडवेज बस के जरिये बरेली लाया गया। पुलिस ने बस से विस्फोटक बरामद कर लिया। बस चालक भाग गया, लेकिन परिचालक पकड़ा गया। पुलिस परिचालक से यह जानने की कोशिश कर रही है कि विस्फोटक बरेली लाने के पीछे कोई साजिश तो नहीं थी। ये किस तरह का विस्फोटक है, इसका पता अभी नहीं चल सका है।

बरेली की बारादरी थाने की पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कि पीलीभीत डिपो की बस (यूपी 77 एएन-2136) में फर्रुखाबाद से विस्फोटक लादा गया है। विस्फोटक लगेज बॉक्स में रखा है। बस जैसे ही सेटेलाइट बस अड्डे पर पहुंची बारादरी पुलिस ने उसे कब्जे में ले लिया गया। बस चालक भाग गया। पुलिस ने परिचालक मैनपुरी निवासी सुधीर को पकड़ लिया। पुलिस बस से बरामद विस्फोटक के चार बोरे थाने ले गई। इन बोरों में दो अलग-अलग प्रकार का विस्फोटक है। दो बोरों में दानेदार, जबकि दो में बुरादानुमा विस्फोटक है। एटीएस की टीम बारादरी थाने पहुंच गई है। एटीएस और बारादरी पुलिस ने सुधीर से बंद कमरे में पूछताछ की। बम निरोधक दस्ता भी थाने बुलाया गया है। इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि परिचालक से पूछताछ की जा रही है तभी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पहले भी लाई जा चुकी विस्फोटक की खेप : अभी तक की पूछताछ में यह स्पष्ट हो गया है कि रोडवेज बस से विस्फोटक इससे पहले भी लाया जा चुका है। इससे पहले बरेली और पीलीभीत विस्फोटक भेजा जा चुका है। पुलिस की एक टीम पीलीभीत भेजी गई है।

कुली ने रखा था बोरा : परिचालक

परिचालक सुधीर ने बताया कि उसे कोई जानकारी नहीं है। एक कुली ने 150 रुपये बोरा तय किया था। उसने पीलीभीत ले जाने के लिए कहा था। सुधीर ने बताया कि बोरी पीलीभीत बस अड्डे पर उतारनी थी। हालांकि पुलिस अभी उसकी बातों पर यकीन नहीं कर रही है।

रेल पटरी चोरी मामले में इस्पात इंडिया के मैनेजर को भेजा जेल

नई दुनिया, बालाघाट (नैनपुर)

▶ बिना टीपी मप्र बालाघाट की बॉर्डर से निकल छग पहुंच गई चोरी की पटरियां

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में ब्रॉडगेज की रेल पटरी चोरी मामले में ज्यों-ज्यों आरपीएफ की जांच आगे बढ़ रही है। कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। जांच अधिकारी हैरान हैं कि आखिर रेल पटरियां बालाघाट जिले की सीमा पार कर छत्तीसगढ़ कैसे पहुंच गईं? पटरी ले जा रहे ट्रकों को रोका नहीं गया या इस पूरे कांड में बॉर्डर की चौकियों में बैठे जिम्मेदारों ने पैसा और पहुंच से प्रभावित होकर पटरी चोरी करने वाले गिरोह का साथ दिया? अब तक गिरफ्त में आए मास्टरमाइंड और मजदूरों से पूछताछ कर आरपीएफ ने चोरी का राजफाश तो कर दिया है लेकिन अब तक चोरी गया पूरा माल बरामद नहीं हो पाया है।

इस मामले में इस्पात इंडिया कंपनी के मैनेजर मनमंत मिश्रा को जेल भेज दिया गया है। वहीं हिंदुस्तान क्वाइल लिमिटेड कंपनी के मैनेजर की सरगर्मी से तलाश जारी है।

18 ट्रक माल बरामद, 13 से पूछताछ: रेल पटरियों की चोरी के इस बड़े व चौंकाने मामले का पर्दाफाश होने के बाद आरपीएफ ने 18 ट्रक माल बरामद किया है। 13 लोगों से पूछताछ की जा रही है।

रेलवे व ठेकेदार ने नैनपुर से लामता के बीच ब्रॉडगेज का काम तेजी से पूरा करने के लिए इस हिस्से पर फोकस किया, लेकिन समनापुर से लामता के बीच पटरी बिछाने के लिए लाया गया लोहा, लावारिस पड़ा रह गया। इसी चूक का फायदा ट्रांसपोर्ट कारोबारी व मराठा गैंग के सरगना विनोद मराठा ने उठाया। उसकी नजर इस पर पड़ी तो उसने इसे यह कहकर पटरियां उठाने का काम शुरू कर दिया कि आगे इन पटरियों की जरूरत है। रात को ओडिशा के मजदूर इन पटरियों को काटते थे और दिन में इन्हें लोड किया जाता था। इसके बाद बालाघाट से बैहर के रास्ते सालेटकरी बॉर्डर से पटरियों का लोहा छत्तीसगढ़ पहुंचा दिया गया।

हर चेक-पोस्ट पर सेटिंग: विनोद मराठा ने पूछताछ में बताया है कि वह कई सालों से ट्रांसपोर्ट का कारोबार कर रहा है। सभी चेक-पोस्ट पर उसकी सेटिंग हैं, उसके ट्रकों को कहीं रोका नहीं जाता है। इससे नाकों में बैठा अमला भी शक के घेरे में आ गया है।

धुंध के चलते पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो हादसे में छह दोस्तों की गई जान

गंगनहर में गिरी कार, दो छात्राओं समेत चार डूबे

जागरण संवाददाता, कैथल

धुंध के कारण हरिद्वार से वापस लौट रहे छह दोस्तों की स्कार्पियो गाड़ी कैथल के म्यौली गांव के नजदीक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में सभी छह लोगों की मौत हो गई। हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ।

मृतकों में हिसार जिला के उकलाना तहसील के गांव सुरेवाला निवासी अजय (23) पुत्र दिलबाग सिंह, इसी गांव के रामकेश (26) पुत्र महाबीर सिंह, अंकुश (22) पुत्र रघुबीर सिंह, करनाल जिला के गांव बिठमड़ा निवासी कपिल (20) पुत्र रोहताश, करनाल जिले गांव गगसीना निवासी दीपक (21) पुत्र बालकिशन व फतेहाबाद के गांव हसवाला निवासी सुनील कुमार (26) पुत्र रघबीर सिंह शामिल हैं। पांच मृतकों के शव तो रात को ही क्षतिग्रस्त कार को क्रेन से तोड़ते हुए निकाल लिए गए। एक युवक हादसे के समय घटना स्थल से 100 फिट दूर जाकर गिरा जिसका शव सुबह ड्रेन से मिला। सभी दोस्त तीन दिन पहले घर से निकले जो और शनिवार रात को हरिद्वार घूमने के बाद कुरुक्षेत्र से चलकर ढांड-पूंडरी रोड से होते हुए घर लौट रहे थे। कार को सुनील चला रहा था।

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : गंगनहर पटरी मार्ग पर डिडौली गांव के सामने शनिवार देर रात एसयूवी कार अनियंत्रित होकर गंगनहर में गिर गई। इसमें कृषि विभाग के एक कर्मचारी और दो छात्राओं समेत छह लोग डूब गए। इनमें से दो छात्र कार का शीशा तोड़ने के बाद तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। डूबने वालों की तलाश एनडीआरएफ व निजी गोताखोरों की मदद से चल रही है।

मुजफ्फरनगर की जाट कॉलोनी निवासी निशांत चौधरी को पिता की मौत के बाद कृषि विभाग में नौकरी मिली थी। वह शनिवार रात कार से अपने दोस्त मुजफ्फरनगर की राधिकापुरम कॉलोनी निवासी हिमांशु, कोकड़ा निवासी हर्षित, जाट कॉलोनी निवासी अनमोल देशवाल, देहरादून की चंद्रबनी कॉलोनी निवासी सृष्टि जोशी व शिमला बाइपास देहहादून निवासी कनिका बिंदल के साथ गंगनहर पटरी मार्ग से होकर दिल्ली जा रहे थे। शनिवार आधी रात डिडौली गांव के सामने सड़क पर हादसाग्रस्त दो कार पहले से खड़ी थीं। इसी बीच पीछे से एक्सयूवी कार तेजी से आई और क्षतिग्रस्त कार के अगले हिस्से से टकराती हुई दीवार को तोड़कर गंगनहर में जा गिरी। कार गंगनहर में गिरते ही मौके पर मौजूद दारोगा अखिलेश उपाध्याय व अन्य पुलिसकर्मियों ने गंगनहर के किनारे पहुंचकर देखा तो दो छात्र अनमोल देशवाल और हर्षित तैरकर बाहर आने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने रस्सी डालकर किसी तरह दोनों को बाहर निकाला। करीब आधे घंटे बाद गाजियाबाद से एनडीआरएफ की टीम भी वहां पहुंच गई। कार को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया।

मुजफ्फरनगर के अंतवाड़ा को मिला स्टार विलेज अवार्ड

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर: काली नदी को पुनर्जीवित करने में सहयोग देकर उप्र के मुजफ्फरनगर स्थित खतौली का अंतवाड़ा गांव विश्व पटल पर चमक गया। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विश्वभर में कार्य करने वाली अमेरिका की एनजीओ अर्थ डे नेटवर्क ने अंतवाड़ा को स्टार विलेज अवार्ड से नवाजा। अंतवाड़ा नार्दर्न इंडिया का पहला गांव है, जिसे इस अवार्ड से अलंकृत किया गया। रविवार को गांव के प्राथमिक विद्यालय में युवा जागृति मंच, अंतवाड़ा की ओर से आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता व सम्मान समारोह में अर्थ डे नेटवर्क इंडिया के डायेक्टर अनिल अरोरा ने ग्राम प्रधान जीतेंद्र को उक्त अवार्ड दिया।

अंतवाड़ा गांव से काली नदी का उद्गम हुआ था। खतौली से कन्नौज तक जाने वाली नदी के आसपास की जमीन पर कब्जा कर लिया। कूड़ा-करकट डालने से नदी का अस्तित्व समाप्त हो गया था।

नीर फाउंडेशन ने इसे पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। इसके निदेशक रमन त्यागी ने ग्रामीणों को नदी के हर पहलू को समझाया। ग्रामीण इसे पुनर्जीवित करने में जुट गए और अवैध कब्जे भी हटा दिए। इसकी खोदाई शुरू की गई। आखिरकार नदी के उद्गम स्थल पर जलधारा फूट पड़ी।

2050 तक प्लास्टिक से अट जाएंगे समुद्र : अनिल

मुजफ्फरनगर : अर्थ डे नेटवर्क इंडिया के डायरेक्टर अनिल अरोरा ने कहा कि प्लास्टिक देश के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। समुद्र में प्लास्टिक बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, 2050 तक समुद्र में प्लास्टिक ही प्लास्टिक होगा। ऐसे में मछलियां मर जाएंगी। भारत में करोड़ों लोग समुद्र से आजीविका चला रहे हैं। इससे देश में भुखमरी आ सकती है। अंतवाड़ा गांव में बातचीत में अनिल अरोरा ने कहा कि काली नदी के साथ मुंबई व गोवा में समुद्र तट की सफाई का अभियान भी चला रहे है। बढ़ते प्रदूषण के सवाल पर अनिल ने कहा कि भारत में साढ़े सात हजार किलोमीटर समुद्री क्षेत्र है, जिस पर करोड़ों लोग निर्भर हैं। प्लास्टिक को नहीं रोका तो देश में समुद्र पर निर्भर लोगों में भुखमरी फैल जाएगी है।

ईरान के बाद एएमयू ने विकसित की जबड़ा जोड़ने की तकनीक

संतोष शर्मा, अलीगढ़

▶ यूनिवर्सिटी के डेंटल कॉलेज में 40 मरीजों पर प्रयोग, शोध को पेटेंट कराने की तैयारी

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के डेंटल कॉलेज में ईरान की तर्ज पर जबड़ा जोड़ने की नई तकनीक विकसित की गई है। मरीजों का इलाज अब नई तकनीक से ही हो रहा है। इसमें मरीज के जबड़े के नीचे के हिस्से में प्लेट लगाई जाती है, जो दबाव झेलने में सक्षम होती है। विशेष प्रकार की मशीन व सॉफ्टवेयर से जबड़े की मजबूती को परखा गया है। एएमयू इस तकनीक को पेटेंट कराने की तैयारी में है।

डेंटल कॉलेज के ओरल एंड मैग्जीलोफेशियल सर्जरी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गुलाम सरवर हाशिमी ने यह तकनीक विकसित की है। डेंटल कॉलेज में अभी तक फ्रांस के वैज्ञानिक मैक्सिने सैंपीस की तकनीक से इलाज होता था। इसमें जबड़ा टूटने पर प्लेट बाहर की तरफ से लगाई जाती थी, जिसे सैंपीस प्रिंसिपल भी कहा जाता था। इस तकनीक में भी जबड़ा जोड़ने में दो प्लेट का इस्तेमाल होता है। यह तकनीक विश्वविख्यात है और अधिकतर इसी का इस्तेमाल होता है। 2014 में ईरान के आमिन रेनपेक्स ने जबड़े के नीचे प्लेट डालकर जबड़ा जोड़ने की तकनीक विकसित की।

> इस विधि से 40 से अधिक मरीजों का इलाज हुआ है। किसी ने कोई शिकायत नहीं की है। भारत में पहली बार यह तकनीक इस्तेमाल हुई है, जिसे पेटेंट कराया जाएगा।
>
> - डॉ. गुलाम सरवर हाशिमी

तीन साल की मेहनत के बाद : डॉ. हाशिमी ने बताया कि ईरानी तकनीक से जबड़ा जोड़ने की तकनीक पर तीन साल पहले काम शुरू किया गया था। इस तकनीक में मरीज के जबड़े को जोड़ने के लिए नीचे के हिस्से में प्लेट लगाई गई। मरीज के खाना खाने के दौरान जबड़ा दबाव सह लेगा या नहीं, इसकी जांच के लिए ग्नेथोमीटर का इस्तेमाल किया गया। ग्नेथोमीटर को यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के डॉ. आबिद खान से तैयार कराया गया था।

ग्नेथोमीटर की जांच में जबड़े का दबाव सही पाया गया। पूरी प्रक्रिया की पुष्टि के लिए यूनिवर्सिटी के ही डिवीजन ऑफ आर्गेनोमिक्स के डॉ. फहद अनवर की मदद ली गई। डॉ. अनवर ने स्टडी जांच के लिए फाइनाइट एलीमेंट एनालिसिस मॉडल डेवलप किया। इससे पता चला कि इस तकनीक में जबड़े में पैदा हो रहा दबाव फ्रांस की तकनीक से किसी भी तरह कम नहीं है।

अभिनेता ऋषि कपूर को हुआ संक्रमण करा रहे इलाज

नई दिल्ली, प्रेट्र : बॉलीवुड स्टार ऋषि कपूर ने कहा है कि उनको संक्रमण हुआ है और वे इसका इलाज करा रहे हैं। इस तरह की खबरें थीं कि 67 वर्षीय अभिनेता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऋषि एक पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली आए हुए हैं।

प्रेट्र से बात करते हुए अभिनेता ऋषि कपूर ने कहा कि उनको संक्रमण हो गया था, जिसका वे इलाज करवा रहे हैं। ऋषि कपूर ने कहा कि उन्हें कुछ भी अकस्मात नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि उनका अंदाजा है कि प्रदूषण के चलते ऐसा हुआ है। मुंबई की मीडिया रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि ऋषि के बेटे रणबीर कपूर उनके साथ रहने के लिए अपनी गर्लफ्रेंड आलिया भट्ट के साथ दिल्ली रवाना हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में लगभग एक साल तक कैंसर का इलाज कराने के बाद ऋषि पिछले साल नवंबर में भारत लौटे हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी नई परियोजना का एलान किया है। यह फिल्म हॉलीवुड की फिल्म द इंटर्न की रीमेक होगी। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण भी होंगी।

अयोध्या में बनेगा बलिदानी कारसेवकों का विजय स्तंभ

रविप्रकाश श्रीवास्तव, अयोध्या

▶ मंदिर आंदोलन में जान देने वाले कारसेवकों की स्मृति को संजोने के लिए विहिप ने की पहल

▶ विजय स्तंभ को दिल्ली स्थित इंडिया गेट के सामने स्थित अमर जवान ज्योति की तर्ज पर विकसित किया जाएगा

सुप्रीम कोर्ट से फैसला आने के बाद अब भव्य राममंदिर के शिलान्यास का इंतजार है। इस बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंदिर आंदोलन के दौरान अपने प्राण न्योछावर करने वाले कारसेवकों की स्मृति को जीवंत करने की योजना तैयार की है। हुतात्मा (बलिदानी) कारसेवकों की यादों को संजोने के लिए विहिप ने प्रस्तावित राममंदिर के सामने विजय स्तंभ बनाने की रूपरेखा तय की है। विजय स्तंभ को दिल्ली स्थित इंडिया गेट के सामने स्थित अमर जवान ज्योति की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां अखंड ज्योति जलती रहेगी।

विहिप की मंशा है कि राममंदिर के साथ ही उन दिवंगत कारसेवकों की स्मृतियों को भी प्रतिष्ठित किया जाए, जिन्होंने अपने प्राण देकर मंदिर आंदोलन को ऊर्जा प्रदान की। 1528 से 1992 के बीच श्रीराम मंदिर को लेकर 76 बार संघर्ष हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में मंदिर समर्थकों की जान गई। आजादी के बाद मंदिर को लेकर बड़ा संघर्ष 1990 में 30 अक्टूबर और दो नवंबर को हुआ था, जिसमें कोठारी बंधु सहित बड़ी संख्या में कारसेवकों को सुरक्षाबलों की गोलियों का शिकार होना पड़ा। दिगंबर अखाड़ा में कारसेवकों की स्मृति शिला मौजूद है, जहां हर वर्ष दो नवंबर को उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। ऐसे में विजय स्तंभ बनाने का निर्णय एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

> अपने प्राणों की बाजी लगाकर मंदिर आंदोलन को ऊर्जा देने वाले कारसेवकों की स्मृति में प्रस्तावित राममंदिर के सामने विजय स्तंभ बनाने की रूपरेखा तैयार की गई है। विजय स्तंभ बहुत ही भव्य बनाया जाएगा।
>
> -शरद शर्मा, विहिप के मीडिया प्रभारी

प्रेरणा

उत्तरकाशी के धराली गांव में तैयार किया प्रीमियम विलेज स्टे का मॉडल, 1991 में भूकंप की त्रासदी झेल चुके जामक गांव में तैयार हो रहा होम स्टे

वीरान घरों को संवारकर स्वरोजगार की अलख जगाते दो युवा

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

उत्तराखंड के दो युवा वीरान एवं खंडहर होते घरों को संवारकर पहाड़ से पलायन रोकने की मुहिम में जुटे हैं। इन युवाओं ने 'माउंटेन विलेज स्टे' नाम से एक संस्था गठित की है, जिसने उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में एक पुराने घर को उसके मूल स्वरूप में ही संवारकर वहां प्रीमियम विलेज स्टे शुरू किया है। जबकि, 1991 में भूकंप का दंश झेलने वाले जामक गांव में कुछ पुराने घरों को होम स्टे के लिए तैयार किया गया है। जनवरी अंतिम सप्ताह से इनका संचालन भी शुरू हो गया है।

पर्यटकों को गांव में ही मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं : माउंटेन विलेज स्टे का उद्देश्य है बिना सरकारी सहायता के दिसंबर 2020 तक सामुदायिक पर्यटन बढ़ाने के लिए चार प्रीमियम विलेज स्टे और 15 होम स्टे शुरू करना। इनमें पर्यटकों को गांव में ही आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। माउंटेन विलेज स्टे के निदेशक एवं सतपुली (पौड़ी) निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय केडी कहते हैं कि सरकारें होम स्टे और सामुदायिक पर्यटन को लेकर कोई मॉडल तैयार नहीं कर पाई। इसलिए उन्होंने सोशल सेक्टर से जुड़े चमोली जिला निवासी अपने साथी अखिलेश डिमरी के साथ वीरान घरों में समुदाय आधारित पर्यटन के मॉडल तैयार करने की ठानी। इसी के तहत पहला प्रीमियम विलेज स्टे धराली में 'धराली हाइट्स' नाम से शुरू किया है। जबकि, पहला होम स्टे जामक गांव में 'डार्क टूरिज्म' की थीम पर शुरू हो चुका है। यहां पर्यटक 1991 के भूकंप की त्रासदी को जान सकेंगे। इस मॉडल को बनाने के लिए उन्होंने मेघालय, बंगाल और ओडिशा जाकर होम स्टे की संपूर्ण जानकारी जुटाई। इसके साथ ही देश की बड़ी कंपनियों के सीईओ से भी राय ली।

धराली गांव में खंडहर हो चुके घर को संवारकर प्रीमियम विलेज स्टे शुरू किया गया है। जागरण

अखिलेश डिमरी। जागरण

विनय केडी। जागरण

सामुदायिक पर्यटन के मॉडल प्रीमियम विलेज स्टे में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक। जागरण

500 घर किए चिह्नित : विनय केडी बताते हैं कि उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र में वीरान और खंडहर हो रहे 500 पुराने घर चिह्नित किए गए हैं। इनमें भी समुदाय के सहयोग से होम स्टे और प्रीमियम विलेज स्टे शुरू करने की तैयारी है।

ग्रामीण भी हो रहे प्रेरित : अखिलेश डिमारी कहते हैं कि इस मॉडल से जहां स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं, गांव में ही स्थानीय उत्पाद भी बिक सकेंगे। धराली के प्रीमियम विलेज स्टे में स्थानीय युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे अपना रोजगार स्थापित कर सकें। धराली के मॉडल से वे ग्रामीण भी प्रेरित हो रहे हैं, जिन्होंने अपने पुश्तैनी घर वीरान छोड़ रखे हैं। लोकगायक ओम बधाणी कहते हैं कि इस पहल से न सिर्फ गांव आबाद रहेंगे, बल्कि लोक परंपराएं, भाषा, संस्कृति और लोक साहित्य भी जीवित रहेगा।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news